छात्रों को एयरोस्पेस के बारे में बताया

इंजीनियरिंग कॉलेज

भागलपुर | वरीय संवाददाता

भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में मंगलवार को इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी शिवपुर पश्चिम बंगाल के प्रोफेसर बिजन कुमार मंडल ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के भविष्य पर अपने व्याख्यान दिये।

उन्होंने छात्रों को रोबोटिक्स, काइनेमैटिक्स, रेफ्रीजेरेशन और एयरोस्पेश थर्मल इंजीनियरिंग के बारे में बताया। उन्होंने एयरोस्पेस के बारे में बताया कि पृथ्वी का वायुमंडल और सटे अंतरिक्ष मिलाकर वात अंतरिक्षक कहा जाता है। यह उन उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण है जो वायुमंडल से होकर अंतरिक्ष में जानेवाले यान को डिजाइन करते हैं। उन्होंने इसके प्रमुख क्षेत्र के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि थर्मल इंजीनियरिंग में कंप्रेशर, कंडेंसर और इवापोरेटर का काम होता है। थर्मल इंजीनियरिंग की सबसे जरूरी चीज बोलर टेक्नोलॉजी है। इस मौके पर डॉ. निर्मल कुमार, डॉ सीपी सिंह, धीरेंद्र कुमर, मणि कुमार ठाकुर, रितिक, सिंटू, सुधांशु आदि मौजूद रहे।

इंजीनियरिंग कॉलेज में मंगलवार को व्याख्यान देते अतिथि प्रोफेसर।

रोबोटिक्स, एयरोस्पेस व थर्मल इंजीनियरिंग में कीर्तिमान स्थापित करेगा भारत

भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इसके आयाम पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

एजुकेशन रिपोर्टर| भागलपुर

इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस टेक्नोलॉजी (आईआईईएसटी) शिवपुर पश्चिम बंगाल की आठ सदस्यीय टीम ने मंगलवार को भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इसके आयाम पर हुए सेमिनार में भागीदारी की। टीम में प्रो. अमित कुमार दास, प्रो. सुदीप राय, प्रो. सुलता मित्रा, प्रो. विजन कुमार मंडल, प्रो. अशोक सूत्रधार, प्रो. एम मित्रा, प्रो. गोपाल चंद्र राय और प्रो. अशोक अदक थे। आईआईईएसटी के मैकेनिकल ब्रांच के एचओडी प्रो. विजन कुमार मंडल ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के भविष्य पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि रोबोटिक्स, सिनेमैटिक्स, रेफ्रिजरेशन, थर्मल इंजीनियरिंग और एयरो स्पेश में कैरियर की असीम संभावनाएं हैं।

सेमिनार में व्याख्यान देते एस मित्रा।

ये सभी सेक्टर मानव जीवन को सुविधाजनक बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। भारत में भी इस विषयों पर शोधकार्य चल रहे हैं। भविष्य में अपना देश इस क्षेत्र में नया आयाम गढ़ेगा। उन्होंने कॉलेज के छात्रों को पढ़ाई पूरी कर इन क्षेत्रों में शोधकार्य के लिए प्रेरित किया। वहीं एयरो स्पेश पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह क्षेत्र अंतरिक्ष यान बनाने वाले उद्योगों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इस दिशा में अभी काफी खोज होना बाकी है। वक्ताओं ने थर्मल इंजीनियरिंग को लेकर कहा कि कंप्रेशर, कंडेंसर, एयर कंडिशन यूनिट से उत्सर्जन को कम करना आज इंजीनियरिंग की मुख्य चुनौती है। जिससे प्रदूषण का लेवल कम हो। वहीं मैग्नेटिक साइंस पर कहा कि वाहन के क्षेत्र में नए तकनीक इंजीनियरिंग सेक्टर का मुख्य लक्ष्य है।

टीम ने कॉलेज में संसाधनों की जांच की

टीम दो दिवसीय दौरे पर इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंची है। आठ सदस्यीय टीम ने सोमवार को लैब, पुस्तकालय और क्लास रूम में जाकर संसाधनों की जांच की। बता दें कि आईआईईएसटी टीम की रिपोर्ट के आधार पर इंजीनियरिंग कॉलेज का अपग्रेड होगा। सेमिनार में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. निर्मल कुमार, धीरेंद्र कुमार, मणि कुमार ठाकुर, रितिक, सिंटू, सुधांशु, प्रशांत, रंजन, अंकित शामिल हुए।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई से विकास को मिलेगी गति

जागरण संवाददाता, भागलपुरः भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के मैकेनिकल शाखा में मंगलवार को इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी साहिबपुर कोलकाता से आए प्रो. बिजन कुमार मंडल ने अपने व्याख्यान में छात्र-छात्राओं को मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बेहतर भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नित नवीनतम परिवर्तन के बल पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग देश के विकास को नई दिशा देगी।

इसके लिए उन्होंने रोबेटिक्स, किनेमेटिक्स, रेफरीजेरेशन, एरोस्पेश एवं थर्मल इंजीनियरिंग के बारे में विस्तार से चर्चा की। बता दे कि साहिबपुर कोलकाता से आठ शिक्षकों को का दल यहां आया है। जिसमें डीन एकेडमिक प्रो. अमित कुमार दास, सिविल के विभागाध्यक्ष प्रो. सुदीन कुमार राय, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुलता मिश्रा, इलेक्ट्रिकल के विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक सूत्रधार, टेक्यूप-3 क समन्वयक प्रो. गोपाल चंद्र राय सहित अन्य शामिल हैं।

उक्त सदस्यों ने भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के विभिन्न शाखाओं का अवलोकन कर टेक्यूप-3 से लैब और क्लास रूम को अपडेट करने की योजना पर काम करने का जरूरत बताया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. निर्मल कुमार ने उक्त संस्थान के आए सभी प्राध्यापकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्थान में मैकेनिकल शाखा के छात्र-छात्राओं को अपने ब्रांच के स्कोप की बेहतर जानकारी मिली। जो भविष्य में काम आएगा।

इंजीनियरिंग कॉलेज में व्याख्यान

भागलपुर. इंजीनियरिंग कॉलेज में मंगलवार को व्याख्यान हुआ. आइइएसटी के शिक्षक प्रो बीके मंडल ने फ्यूचर स्कोप ऑफ मैक्निकल इंजीनियरिंग विषय पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने रोबोटिक्स, एरोस्पेस, थर्मल इंजीनियरिंग आदि विषयों के महत्व व उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि उक्त चीजों के विकास से देश तरक्की की राह और आसान होगी. उन्होंने ऐरोस्पेश के बारे में छात्रों को बताया कि पृथ्वी के वायुमंडल व सटा अंतरिक्ष कहा जाता है. अंतरिक्ष उन संस्थानों व उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण है, जो वायुमंडल से होकर अंतरिक्ष में जाने वाले यान की डिजाइन करते व भेजते हैं. इसमें चार चीजों का होना जरूरी है. मौके पर प्राचार्य डॉ निर्मल कुमार, सीपी सिंह, मनी कुमार ठाकुर आदि उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Wed, 30 August 2017
epaper.prabhatkhabar.com//c/21707